

फट अहकाम
(नियम 26)

मुकाम

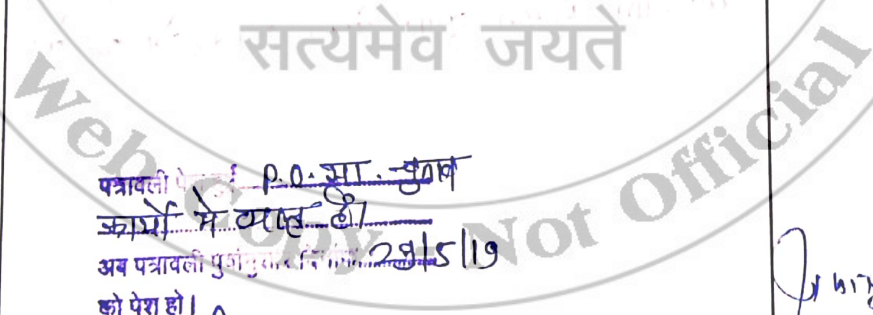
पारवनाथ डिला जिन मंडल बनाम रूप विता देवा

सम मुकदमा

नं. 5/19

सन्

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
7/1/19	<p>पञ्जावली माननीय न्यायालय राजस्व मंडल राजस्थान, जयपुर से निर्णय डिकांठ 17/7/18 कि प्रति के साथ प्राप्त हुई है। माननीय न्यायालय राजस्व मंडल जयपुर द्वारा 50000 रु. कि कांस्ट पर घाट को पुनः नम्बर पर खोल लाने के आदेश दिए गये। पञ्जावली को सुनिश्चित किया जावे। पञ्जावली अब अदालत कार्यवाही से डिकांठ 13/3/19 को पेश हो।</p>	<p>सहायक कलेक्टर (उपखण्ड अधिकारी) बेगू (चित्तौड़गढ़)</p>
13/3/19	<p>पञ्जावली पेश P.O. सा. मुकाम कार्यवाही में प्रारंभ हो। अब पञ्जावली पुनः मुकाम चित्तौड़गढ़ 29/5/19 को पेश हो।</p>	<p>जि. प्र. प्र. प्र. प्र. उप. वि. प्र. प्र. प्र.</p>
29/5/19	<p>पञ्जावली मुकाम पेश हुई। उपाधी अधिवक्ता कृष्ण विपरीत सं. 2, 3, 4 कि कोर में अधिवक्ता श्री गोपाल लाल गुप्ता द्वारा पेश किया गया। कोष उपाधी 1, 5, 7 लामिल मुकाम कृष्ण कोर ले चुके हैं। उपाधी अधिवक्ता च्यापम मुकाम पेश करे। उपाधी - पृष्ठ 09</p>	



R-9 CPC या इस न्यायालय द्वारा डिकांठ 12/12/06

को रवाना किया गया - जिसकी आजीव माननीय
न्यायालय राष्ट्रिय मण्डल काफ़ेस में की गई।
जहाँ उनके निर्णय दिनांक 17/7/18 को पारित
आदेश अनुसार प्रार्थना पत्र को खीन्कार
दिया जाकर वाडी के दादपत्र को 5000 रु.
के फॉर्स पर पुनः नम्बर पर छिपे जाते
हुए इस न्यायालय को निर्देश दिये गये।

अतः माननीय राष्ट्रिय मण्डल के आदेशानुसार
मूल पत्रावली को 5000 रु. के फॉर्स पर वापस
आग्निम कार्यवाही हेतु पुनः नम्बर पर लेने के
लिए खीन्कार किया गया है। प्रार्थना व अग्रणी
को जामिन नोटीस सूचित किया गया। प्रार्थना
का नोटीस तामिल बुध उपर हुआ तथा अग्रणी सं.
2, 3, 4 के नोटीस तामिल बुध उपर हुए तथा इनके
ओर से अधिवक्ता पत्र अधिवक्ता श्री गोपाल
लाल गुदानी द्वारा पेश किया गया। अतः
मूल पत्रावली को पुनः नम्बर पर दर्ज हो।
प्रार्थना का फॉर्सल सुमार तेकर नम्बर से कम हो